



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १९१]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल १०, १९८९/चैत्र २०, १९११

No. 191] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 10, 1989/CHAITRA 20, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है। चित्रसे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

उद्योग मंत्रालय
(जौरोपिक विभाग विभाग)

प्रधिकारण
नई दिल्ली, ६ अप्रैल, १९८९

सा. का. नि. 433 (ग्र).—— पेट्रोलियम नियम, 1976 का और
संशोधन करने के लिए कासिपय नियमों का निम्ननिवित्त प्रारूप, जिसे
केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) की
धारा 13 की उपधारा (2), धारा 14 की उपधारा (2) के बंद (ब),
धारा 22, धारा 26 की उपधारा (3) और धारा 29
को उपधारा (1) डारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, बनाना चाहती है,
उक्त अधिनियम की धारा 29 की उपधारा (2) की प्रयोगानुसार ऐसे सभी
शक्तियों से जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे
प्रभावित होने की समावना है और इसके द्वारा यह सूचना वी जाती
है कि उक्त प्रदत्त नियमों पर राज्याद्य में इस प्रधिकृतना के प्रकाशन की
तारीख से पेनालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात्
विकार किया जाएगा।

किसी ऐसे आक्षेपों या सुझाओं पर जो इस प्रकार विनिविष्ट अवधि
की समाप्ति के पहले उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से
प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विवाद करेगी।

1. इन नियमों का संवित्त नाम पेट्रोलियम (—— संशोधन)
नियम, 1989 है।

2. नेट्रोलियम नियम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियम
कहा गया है) में, नियम 194 के उन-नियम (3) के पश्चात् निम्न-
निवित्त उन-नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) यदि परीक्षण किया जाने वाला पेट्रोलियम विपक्षिया जो
टोस है या उसमें तलछट या जमने वाले संघटक हैं, तो ऐसे
पेट्रोलियम का परीक्षण भनुसूची V में विनिविष्ट पद्धति के
अनुसार किया जाएगा।”

3. उक्त नियमों के नियम 198 के पश्चात् निम्ननिवित्त नियम
अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“198क प्रधेश करने, निरीक्षण करने, तलाशी करने और प्रभिग्रहण
करने की शक्तियाँ।

(1) नीचे की सारणी के स्तरम् () में विनिविष्ट कोई भविकारी उक्त सारणी के स्तरम् (2) में की तत्त्वानी प्रविष्टि में विनिविष्ट भविकारिता के भीतर :—

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये बस्तुएँ अधिनियम और इन नियमों के उपबंधों के मनुसार हैं, ऐसे किसी स्थान में, जहाँ उसे, ऐसे विवास करने का कारण है कि वहाँ पेट्रोलियम का आवायत, परिवहन, भूज्ञाण, उत्पादन, परिकरण या मिश्रण किया जाता है या परिवहन के अधीन है, प्रवेश निरीक्षण कर सकेगा और तापाशी ले सकेगा और उसके संबंध में प्रयुक्त सभी आधारानों; संबंधों और साधिदों का निरीक्षण कर सकेगा;

(ख) उसमें पेट्रोलियम की तापाशी ले सकेगा;

(ग) यहाँ प्राप्त होने वाले पेट्रोलियम का परीक्षण करने के लिए नमूने ले सकेगा और लिए गए नमूने के मूल्य के बराबर नकदी के रूप में संदाय कर सकेगा; और

(घ) ऐसे किसी पेट्रोलियम का या किसी सामग्री का जिस पर पेट्रोलियम होने का संरेख है या उसमें प्रयुक्त होने वाले किसी उपस्कर, या साधित, का, उससे संबंधित इस्तावेजों के साथ, अभिग्रहण कर सकेगा, निम्नलिखित संबंधों और हटा सकेगा, जिसके बारे में, उसे विवास करने का कारण है कि अधिनियम के या इन नियमों के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन किया गया है।

सारणी

भविकारी का पदनाम	भविकारिता की सीमा
1	2
विस्फोटक का मूल्य नियंत्रक और नियंत्रक समूण्ड भारत सभी जिला भविकारिता ऐसे पुलिस अधिकारी, जो निरीक्षक ऐसे थे, जिसपर उनके प्राविकार की पवित्रता नीचे का न हो।	उनके अपर्मेधप्रयोग जिसे का विस्तार है।

(2) जब कभी मूल्य नियंत्रक से मिल कोई अधिकारी इस नियम के अधीन, किसी पेट्रोलियम या उसमें संबंधित किसी सामग्री या उससे संबंधित किसी वस्तावेज का अभिग्रहण, प्रसिद्धाण करता है, या उसे हटाता है तो वह तुरंत इस तथ्य की सूचना तार डारा मूल्य नियंत्रक को और इस नियंत्रक को देगा जिसकी अधिकारिता इस स्थान पर है यहाँ अन्तर्ग्रहण इत्यादि किया जाता है और जब कभी कोई अधिकारी ही है, किसी पेट्रोलियम का या उसमें संबंधित किसी सामग्री का या उससे संबंधित किसी वस्तावेज का इस नियम के अधीन अभिग्रहण, प्रसिद्धाण करता है या हटाता है तो वह तुरंत इस तथ्य की सूचना तार डारा संबंधित जिला प्राविकारी को देगा, जो सामले के तथ्य की सूचना नियंत्रक को और अधिकारिता प्राप्त नियंत्रक को देगा।

(3) जब कभी इस नियम के मनुसार कोई नमूना लिया जाता है तब उसका परीक्षण इन नियमों के प्रधायाय X के सुरक्षित उपबंधों के मनुसार किया जाएगा।

(4) जब कभी इस नियम के अधीन किसी पेट्रोलियम की अभिग्रहण किया जाता है तो उसे तब तक के लिए पर्याप्त मुख्या के अधीन रखा जाएगा। जब तक कि मूल्य नियंत्रक या नियंत्रक, विस्फोटक, डारा इमार की परीक्षा नहीं कर सकी जाती और इसके व्यवन के संबंध में उससे अनुरूप प्राप्त नहीं हो जाता।

(5) जब कभी इस नियम के अधीन नवाशी ली जाती है तब उसे दृष्टि प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) के उपबंधों के मनुसार पूरा किया जाएगा। पुलिस और जिला प्राविकारणों के सभी अधिकारी

अधिनियम और नियमों के निष्पादन में विस्फोटक के मूल्य नियंत्रक और नियंत्रक की सहायता करें।

(6) जब कभी कोई अवित्त स्थिरं या उसके नियोजनार्थीन अवित्त द्वारा इस नियम के अधीन सम्बद्ध रूप से नियुक्त ऐसे अधिकारी को, जो उस नियम के अधीन अपने कर्तव्य के अनुमति कार्य कर रहा है, स्वेच्छाया आवा पहुंचता है या प्रनिरोध करता है या अस्थिर अवित्त आलता है या भूचन देने से इनकार करता है या देने में "अप्रकल रहना है या जानवृत्तकर मिला और भ्रामक मृत्यु देना है तो ऐसे उपर्युक्त को यह समझा जाएगा कि उसने इस अधिनियम के अधीन अपराध मिला है।

198. ये पेट्रोलियम की नष्ट करना—विस्फोटक से मूल्य नियंत्रक या नियंत्रक किसी ऐसे पेट्रोलियम या उसमें संबंधित किसी सामग्री या उपस्कर को नष्ट कर सकेगा, जिसकी आवायत विस्फोटक के मूल्य नियंत्रक या नियंत्रक को ऐसा विवास करने का बाग्न है कि अधिनियम या इन नियमों के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, या जो उसकी राय में भूज्ञाण या परिवहन या उत्पायोग के लिए अब उत्पायुक्त नहीं रह गया है। पेट्रोलियम की, यथास्थिति, अनुज्ञायितारक या परिसर के अधिकारों के खर्च पर नष्ट किया जाएगा।"

4 उक्त नियमों के नियम 200 में "इन नियमों" शब्दों के एथान पर "इस अधिनियम के अध्याय।" "शब्द और अंक रखे जाएँगे।

5 उक्त नियमों की चौथी अनुसूची के पश्चात निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जाएँगी, अर्थात् :—

"पार्वती अनुसूची

पेट्रोलियम के विपक्षिया या ठोस रूप के परीक्षण की पद्धति यदि पेट्रोलियम का परीक्षण किया जानेवाला नमूना विपक्षिया या ठोस है, या उसमें तलछट है तो ऐसे पेट्रोलियम का परीक्षण ए. बी. ई. एल संघित में निम्नलिखित रीति से किया जाएगा :—

ठोस मिश्रण को 38.1 मि. मी. लम्बे और 6.3 मि. मी. व्यास वाले बेलनों के रूप में, कार्क छेक द्वारा या अन्य समान कर्तव्य द्वारा जिसका प्राक्तिक व्यास ठीक-ठीक हो, कटा जाएगा। इन बेलनों को परीक्षण माधित को पेट्रोलियम व्याली में लम्बा रूप में इन्हीं संक्षया में रखता है, जिन्होंने व्याली पूरी तरह भर जाए। बेलनों को एक दूसरे से सटा होना चाहिए जिसने कहा हुआ नहीं होना चाहिए कि उन्हीं कृति लिए जाएँ। व्याले के मध्य में पांच या छह बेलनों को 127 मि. मी. में इस प्रकार लाधुकून करना चाहिए, जिससे कि घमर्मीटर बलबल के लिए खाली स्थान बच जाए।

ऐसे पेट्रोलियम को, जो चिपचिपा है या जिसमें तलछट या जमने-वाले संघटक हैं, परीक्षण साधित के पेट्रोलियम व्याले में लंब रूप में भरा जाएँगा व्यालों पूरीरक भर जाए।

परीक्षण माधित की वायु स्तोत्राशर की जल से 38.1 मि. मी. गहराई तक भर जाना चाहिए। किस जल-म्नानाशर के ताप को लगभग 80° फारनहाईट के तापमात्र तक ला कर उसी स्तर पर बनाए रखना चाहिए। इसके पश्चात व्यालों को वायु म्नानाशर में रखना चाहिए और नमूने के ताप वो नव तक बढ़ने देना चाहिए जब तक तैल-प्रयोग में के तापमात्री 75° फारनहाईट ताप प्रतिशत त करे, तब परीक्षण ज्वाला का प्रयोग करना चाहिए।

यन्त्र को छोड़ नहीं प्राप्त होती है, तो इस ताप को एक घटे के लिए संभव-प्रयोग में लगानार बनाए रखें। इस भवय की मार्भालि पर परीक्षण ज्वाला का पुनः प्रयोग करें।

गदि कोवै प्रकट होती है तो दोष मिश्रण पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के उपबंधों के अध्यर्थीन संगम।

[म. 3 (1) 86-डी. पी. आर / इ. जी. जी. एस]

आर के मिन्हा, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :-— मूल नियम भारत सरकार के उद्दोग और नागरिक प्रूति मंत्रालय की ओर सुनेता सं. सा. का. नि. 479(अ), तारीख 30 जून, 1976 के रूप में भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) तारीख 20 जूलाई, 1976 के पृष्ठ 1683-1899 पर प्रकाशित किए गए थे और इतनकात उनके निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए—

- (1) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1), के पृष्ठ 1798-1800 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 834, तारीख 25 जूलाई, 1980
- (2) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1183-1194 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 493 तारीख 6 मई, 1981
- (3) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1861-1862 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 756 तारीख 28 जूलाई, 1981
- (4) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1962 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 757, तारीख 29 जूलाई, 1981
- (5) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 2138-2140 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 884 तारीख 15 निम्नवर, 1981
- (6) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 746 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 315, तारीख 16 मई, 1982
- (7) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1910-1911 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 660 तारीख 15 जूलाई, 1982
- (8) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1911 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 661 तारीख 16 जूलाई, 1982
- (9) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 726(अ) तारीख 3 निम्नवर, 1985
- (10) भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3 (1) सं. 324, तारीख 22 जून, 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 590 (अ) तारीख 17 जून, 1987
- (11) भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खंड 3 (1) अ. 325 तारीख 22 जून 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 591 (अ) तारीख 30 जून 1987
- (12) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3 (1) सं. 365 तारीख 3 जूलाई, 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 614 (अ) तारीख 30 जून, 1987
- (13) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3 (1), नं. 80 तारीख 24 फरवरी, 1988 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 98 (अ) तारीख 22 फरवरी, 1988
- (14) भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3 (1) सं. 131 तारीख 21 मार्च, 1988 में प्रकाशित सरकारी अधि-

सूचना सं. सा. का. नि. 362(अ); तारीख 16 मार्च, 1986

[मिमिल संखा 3 (i) /86 —हा. पी. घरू / ई. जी. जी. एम]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th April, 1989

G.S.R. 433(E):—The following draft of certain rules to further amend the Petroleum Rules, 1976, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13, clause (b) of sub-section (2) of section 14, section 22, sub-section (3) of section 26 and sub-section (1) of section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) are hereby published as required by sub-section (2) of section 29 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry a period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

1. These rules may be called the Petroleum (. . .) Amendment Rule, 1989.

2. In the Petroleum Rules, 1976 (herein after referred to as the said rules), after the sub-rule (3) of rule 194, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“4. If the Petroleum to be tested is viscous or solid or contain sediments or thickening ingredients, such petroleum shall be tested in accordance with the methods specified in Schedule V”;

3. After rule 198 of the said rules, the following rules shall be inserted, namely :—

“198A. Power to enter, inspect search and seize.—

(1) Any officer, specified in column (1) of the Table below, may within the jurisdiction specified in corresponding entry in column (2) of the said Table—

(a) enter, inspect and search any place where he has reason to believe that any petroleum is being imported, transported, stored, produced, refined or blended or is under transport and inspect all receptacles, plants and appliances used in connection therewith in order to ascertain if they are in accordance with the provisions of the Act and of these rules;

(b) search for petroleum therein;

(c) take samples for testing of any petroleum found therein and make payment by cash for values of samples, taken; and

(d) seize, detail and remove any petroleum of any material suspected to be petroleum or any requirement or appliances used therein together with connected documents thereof in respect of which he has

reasons to believe that any of the provisions of the Act or of these rules have been contravened.

TABLE

Designation of the Officer	Limit of Jurisdiction
(1)	(2)
Chief Controller and Controller of Explosives.	Whole of India
All District Magistrates.	Their respective districts.
All Magistrates subordinate to District Magistrates.	Their respective jurisdiction.
Police officers not below the rank of an Inspector.	The area over which their authority extends.

- (2) Whenever any officers other than the Chief Controller, seizes, detains or removes any petroleum or any material connected therewith or any connected documents thereof under this rule, he shall forthwith report the fact by telegram to the Chief Controller and the Controller having jurisdiction over the place where seizure etc., has taken place and whenever any officer not being the district authority seizes, detains or removes any petroleum or any material connected therewith or any connected documents thereof under this rule, he shall forthwith report the fact by telegram to the district authority concerned, who shall intimate the facts of the case to the Chief Controller and the Controller having jurisdiction.
- (3) Whenever any samples are taken in accordance with this rule, they shall be tested in accordance with the relevant provisions of Chapter X of these rules.
- (4) Whenever any petroleum is seized under this rules, it shall be stored, under adequate guard until examination by Chief Controller or Controller of Explosives and receipt of instructions from him as to its disposal.
- (5) Whenever searches are made under this rule the same shall be carried out in accordance with the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1974 (2 of 1974). All officers of the police and district authorities shall assist the Chief Controller and Controller of Explosives in the execution of the Act and rules.
- (6) Whenever any person by himself or by any person in his employ voluntarily obstructs or offers any resistance to or otherwise interferes with or refuses or fails to give or wilfully gives false or misleading information to the officer duly appointed under this rule who is acting in accordance with his duty there under such person shall be deemed to have committed an offence under the Act.

198B: Destruction of petroleum .The Chief Controller or Controller of Explosives may destroy any petroleum or any material or equipment connected in respect of which the Chief Controller or Controller of Explosives has reason to believe that any of the provisions of the Act or of these rules have been contravened or which in his opinion is no longer fit for storage, transport or use. The petroleum shall be destroyed at the expenses of the licensee or the occupier of the premises, as the case may be.

4. In rule 200 of the said rules, for the words "these rules", the words and figure "Chapter I of the Act" shall be substituted.

5. After Fourth Schedule of the said rules the following Schedule shall be added namely :—

FIFTH SCHEDULE

METHODS OF TESTING VISCOS OR SOLID FORMS OF PETROLEUM

If the sample of petroleum to be tested is viscous or solid or contains sediments or thickening ingredients, such petroleum shall be tested in the ABEL apparatus in the following manner :

The solid mixture must be cut into cylinders 38.1 mm long and 6.3 mm in diameter by means of a cork borer or other similar cutter having the correct internal diameter. These cylinders are to be placed in the petroleum cup of the testing apparatus in a vertical position in such number as will completely fill the cup. The cylinders must be in contact with one another but must not be so tightly packed as to be deformed in shape.

Five or six of the cylinders in the centre of the cup must be shortened to 127 mm. to allow space for the thermometer bulb.

The petroleum which is viscous or contained sediment or thickening ingredients shall be filled in the petroleum cup of the testing apparatus in a vertical position so that it completely fills the cup.

The air bath of the testing apparatus must be filled to a depth of 38.1 mm with water. The water bath must then be raised to, and maintained at, a temperature of about 80° F.

The cup must then be placed in the air bath, and the temperature of the sample must be allowed to rise until the thermometer in the oil-cup shows 75° F when the test flame must be applied.

If no flash is obtained, this temperature must be maintained constant in the oil-cup for one hour, at the expiration of which time the test flame must again be applied.

If a flash is obtained, the solid mixture will be subject to the provisions of the Petroleum Act, 1934."

[No. 3(1)/86-DPR/ECCS.]

R.K. SINHA, Jt. Secy.

Foot Note:- The Principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i), dated 26th July, 1976 at pages 1683-1899 vide Government notification, Ministry of Industry and Civil Supplies, No. GSR 479(L), dated 30th June, 1976 and was subsequently amended by.

(i) Government notification, No. GSR 834 dt. 25th July, 1980 published in Gazette of India, Part II Section 3(i) at pages 1798-1800.

(ii) Government notification, No. CSR. 493 dt. 6th May, 1981 published in Gazette of India, Part II, Section 3(i) at pages 1183-1184.